

धन्य कबीर कुछ जलवा दिखाना हो तो ऐसा हो भजन



धन्य कबीर कुछ जलवा,
दिखाना हो तो ऐसा हो,
बिना माँ बाप के दुनिया में,
आना हो तो ऐसा हो,
धन्य कबीर कुछ जलवां,
दिखाना हो तो ऐसा हो।

उतर कर आसमान से,
नूर का गोला कमलदल पर,
वो आके बन गया बालक,
बहाना हो तो ऐसा हो,
धन्य कबीर कुछ जलवां,
दिखाना हो तो ऐसा हो।

छुड़ा कर ढोंग दुनिया के,
वो सत्य उपदेश देते थे,
सारे मैदान पर डंका,
बजाना हो तो ऐसा हो,
धन्य कबीर कुछ जलवां,
दिखाना हो तो ऐसा हो।

बहस करने को पंडित मौलवी,
सब पास में आए,
भए सरमिन्दे आपी खुद,
हराना हो तो ऐसा हो,
धन्य कबीर कुछ जलवां,
दिखाना हो तो ऐसा हो।

सुनाके ज्ञान निरवानी,
किया दोउ दीन को चेला,
गर संसार में सदगुरु,
कहाना हो तो ऐसा हो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



धन्य कबीर कुछ जलवां,
दिखाना हो तो ऐसा हो।bd।

छोड़ के फूल और तुलसी,
चले सादेह निज घर को,
परम अवतार इस जग से,
रवाना हो तो ऐसा हो,
धन्य कबीर कुछ जलवां,
दिखाना हो तो ऐसा हो।bd।

धन्य कबीर कुछ जलवा,
दिखाना हो तो ऐसा हो,
बिना माँ बाप के दुनिया में,
आना हो तो ऐसा हो,
धन्य कबीर कुछ जलवां,
दिखाना हो तो ऐसा हो।bd।

प्रेषक – नंदलाल
9977128072
